खसरा एवं रूबैला एक जानलेवा बीमारी हैं जो तीव्रगति से फैलने वाला एक अति संक्रामक रोग हैं तथा प्रभावित रोगी द्वारा खाँसने एवं छिकने से फैलता हैं। इसके प्रभाव से बच्चों को निमोनिया,दस्त एवं मस्तिष्क में संक्रमण जैसी खातक बीमारीयों के संक्रमण का खतरा बना रहता हैं। जो नवजात शिशुओं एवं बच्चों की मृत्यु का प्रमुख कारण हैं। इसी प्रकार गर्भावस्था के आरम्भ में महिला को रूबैला का संक्रमण होने की सम्भवना रहती हैं जिससे होने वाले शिशु में CRS (Congenital Rubella Syndrome) हो सकता हैं जिसके कारण शिशु में अंधापन,बहरापन,मानसीक मंदता एवं दिल की बीमारी हो सकता हैं। रूबैला संक्रमण से गर्भवती महिला में गर्भपात एवं Still Birth की संभावना बढ़ जाती हैं।

खसरा–रूबैला का टीका रोग से बचाव का एक सशक्त माध्यम है। खसरा एवं रूबैला रोग को बचपन में टीकाकरण कराये जाने से इसके प्रसार एवं गंभीर खतरों को रोका जा सकता हैं। इसी उदेश्य सें भारत सरकार टीकाकरण अभियान 15 जनवरी 2019 से प्रारम्भ किया जा रहा हैं। लगभग दो माह तक चलने वाले इस अभियान के अन्तर्गत जिले में लगभग 10.50 लाख बच्चों (9 माह से 15 वर्ष आयु तक) का टीकाकरण किया जायेगा।

इस अभियान का संचालन निम्न प्रकार से किया जायेगा।

1. अभियान के पहले 2 सप्ताह में सभी सरकारी,गैर सरकारी,निजी(प्राईवेट) विधालयों,मदरसो,मक्तब आदि में।
2. अगले दो सप्ताहो में ग्रामीण एवं शहरी क्षेत्रों के आउट रिच/वाह्य सत्रों पर स्कूल नहीं जाने वाले बच्चों,छुटे हुए बच्चों आदि तथा मोबाईल टीम द्वारा ईट भठ्ठो धुमंतु अवादी के बच्चों का टीकाकरण किया जायेगा।

खसरा रूबैला अभियान के पाचवे सप्ताह में छुटे हुए बच्चों के टीकाकरण हेतु इस गतिविधी को आवश्यकतानुसार पुनः दोहराया जायेगा।

खसरा रूबैला टीकाकरण अभियान दिनांक 15 जनवरी 2019 से प्रारम्भ होगा। यह टीकाकरण सदर अस्पताल, सभी स्वास्थ्य केन्द, सभी स्कूलों (सरकारी, गैर सरकारी,मदरसा,मकतब) एव सभी आँगनवाडी केन्द्र पर होगा।

DR. R K Singh (DIO) - 9470003164 /9934489724 WHO Office Buxar- 7368808005

समझदारी दिखाएं!
अपने बच्चे का
सम्पूर्ण टीकाकरण कराएं

15 जनवरी, 2019 से

खसरा
रूबैला
टीकाकरण अभियान

15 जनवरी, 2019 से आरंभ हो रहे इस अभियान में 9 माह से 15 वर्ष तक की आयु के सभी बच्चों को **खसरा-रूबैला** का टीका अवश्य लगवाएं।

टीकाकरण की अधिक जानकारी के लिए अपनी ए.एन.एम., आशा एवं आंगनवाड़ी बहन जी से संपर्क करें।

दो बीमारियों को हराएंगे,
ये टीका ज़रूर लगवाएंगे!

खसरा एक जानलेवा बीमारी है, इसके कारण निम्न परेशानियां हो सकती हैं:

- निमोनिया
- दस्त
- जीवन के लिए अन्य घातक समस्याएं

गर्भावस्था के दौरान रूबैला संक्रमण के फलस्वरूप शिशु जन्मजात दोषों के साथ पैदा हो सकते हैं, जैसे:

- अंधापन
- बहरापन
- कमजोर दिमाग
- जन्मजात दिल की बीमारियां

राज्य स्वास्थ्य समिति, बिहार

समझदारी दिखाएं!
अपने बच्चे का
सम्पूर्ण टीकाकरण कराएं

15 जनवरी, 2019 से

खसरा
रूबैला
टीकाकरण अभियान

15 जनवरी, 2019 से आरंभ हो रहे इस अभियान में 9 माह से 15 वर्ष तक की आयु के सभी बच्चों को **खसरा-रूबैला** का टीका अवश्य लगवाएं।

टीकाकरण की अधिक जानकारी के लिए अपनी ए.एन.एम., आशा एवं आंगनवाड़ी बहन जी से संपर्क करें।

दो बीमारियों को हराएंगे,
ये टीका ज़रूर लगवाएंगे!

खसरा एक जानलेवा बीमारी है, इसके कारण निम्न परेशानियां हो सकती हैं:

- निमोनिया
- दस्त
- जीवन के लिए अन्य घातक समस्याएं

गर्भावस्था के दौरान रूबैला संक्रमण के फलस्वरूप शिशु जन्मजात दोषों के साथ पैदा हो सकते हैं, जैसे:

- अंधापन
- बहरापन
- कमजोर दिमाग
- जन्मजात दिल की बीमारियां

राज्य स्वास्थ्य समिति, बिहार